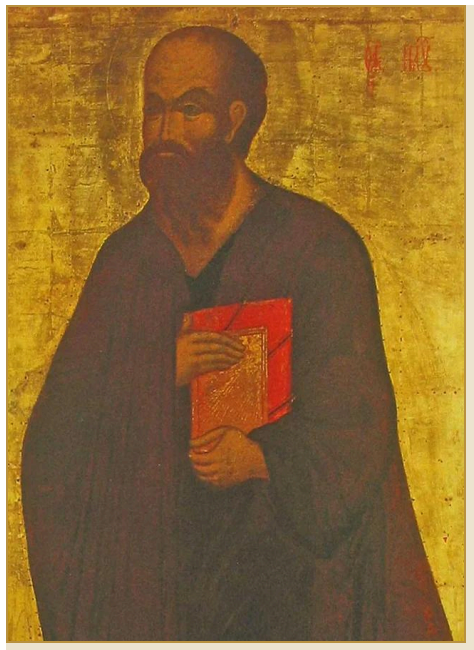




प्रेरितिक उत्तराधिकार

प्रेरित पौलुस से, स्कॉटलैंड की एपिस्कोपल कलीसिया और बिशप Samuel Seabury होते हुए, वर्तमान समय तक

इस उत्तराधिकार-क्रम में

बिशप

GARLAND F. BYERS, JR., J.D., D.D.

जातियों के लिए बिशप, प्रेरितिक आदेश के अधीन



1. संत पौलुस, प्रेरित और शहीद^{CO}

लगभग 35 ई. में प्रेरिताई के लिए बुलाए गए

पवित्रशास्त्र में उल्लेख: दमिश्क के मार्ग पर जी उठे मसीह द्वारा बुलाए गए (प्रेरितों के काम 9:3-6); “प्रेरित होने के लिये बुलाया गया” (रोमियों 1:1)

यह प्रेरितिक उत्तराधिकार-क्रम लगभग 35 ई. में प्रेरित पौलुस से आरंभ होकर आज तक चला आता है –

2026 तक 1,991 वर्षों की अवधि।

बिशप-पद पर अभिषेक, एक से अगले को, नीचे नामित कलीसियाओं के माध्यम से किए गए।

इस उत्तराधिकार-क्रम के कुछ बिशप संतों के रूप में भी सम्मानित हैं। उनके नामों के पास दिए गए चिह्न केवल जीवन की पवित्रता से संबंधित हैं। वे किसी भी अभिषेक की वैधता पर कोई प्रभाव नहीं डालते: सूची में दिया गया प्रत्येक बिशप उत्तराधिकार में समान रूप से अपना स्थान रखता है, चाहे वह संत के रूप में सम्मानित हो या न हो।

संत संत: वह व्यक्ति जिसे कोई कलीसिया सार्वजनिक रूप से इस रूप में सम्मान देती है कि उसने वीरतापूर्ण पवित्रता का जीवन जिया और अब वह परमेश्वर के साथ है, और जिसकी स्मृति वह अपने पंचांग में रखती है। आरम्भिक कलीसिया में संतों को विश्वासियों और उनके बिशपों की सार्वजनिक स्वीकृति द्वारा मान्यता मिलती थी; बाद में, रोमन कैथोलिक कलीसिया में औपचारिक संत-घोषणा (canonization) द्वारा और पूर्वी ऑर्थोडॉक्स कलीसिया में महिमाकरण (glorification) द्वारा।

धन्य धन्य: रोमन कैथोलिक कलीसिया में, वह व्यक्ति जिसे धन्य घोषित किया गया है (beatification); यह संत घोषित किए जाने से पहले का औपचारिक चरण है।

^C रोमन कैथोलिक कलीसिया द्वारा संत या धन्य के रूप में सम्मानित।

CO रोमन कैथोलिक और पूर्वी ऑर्थोडॉक्स दोनों कलीसियाओं द्वारा संत के रूप में सम्मानित।

लाल शहीद: वह जिसने विश्वास के लिए अपने प्राण दिए।

कौन संत है, इस पर कलीसियाएँ सदा सहमत नहीं होतीं। एक कलीसिया किसी ऐसे व्यक्ति को सम्मान दे सकती है जिसे दूसरी नहीं देती, और चिह्न दर्शाते हैं कि प्रत्येक को कौन-सी कलीसिया सम्मान देती है।

आर्ल

गॉल में आर्ल का पीठ, जिसकी स्थापना प्रेरित पौलुस के शिष्य संत त्रुफिमस ने की। इसी पीठ से संत ऑगस्टीन ने इंग्लैंड के अपने मिशन के लिए बिशप-पद पर अभिषेक प्राप्त किया।

2. संत त्रुफिमस ^{CO}	58
3. Dionysius	80
4. Regulus	85
5. Felicissimus	100
6. Gratus	120
7. Ambrosius	145
8. Martinus	170
9. Ingenuus	180
10. Augustinus	200
11. Hieronymus	220
12. Savitius	230
13. Marcianus	240
14. Victor	250
15. Marinus	270
16. Martinus II	270
17. Nicasius	330
18. Valentinus	342
19. Saturninus	354
20. Crescentius	365
21. Concordius	380
22. Constantinus	392

23. Heros	410
24. Patroclus	422
25. संत Honoratus ^{CO}	426
26. संत हिलेरियस ^{CO}	438
27. Ravennius	449
28. Leontius	463
29. Aeonius	493
30. संत Caesarius ^{CO}	502
31. Auxanius	542
32. संत Aurelianus ^{CO}	546
33. Sapaudus	556
34. Licerius	586
35. संत Virgilius ^{CO}	588

कैंटरबरी

कैंटरबरी का पीठ, जिसकी स्थापना संत ऑगस्टीन ने की, जिन्हें पोप संत ग्रेगरी महान ने 597 में अंग्रेजों तक सुसमाचार पहुँचाने के लिए भेजा।

36. कैंटरबरी के संत ऑगस्टीन ^{CO}	597
37. संत Laurence ^{CO}	604
38. संत Mellitus ^{CO}	619
39. संत Justus ^{CO}	624
40. संत Honorius ^{CO}	627
41. संत Deusdedit ^{CO}	655
42. तरसुस के संत Theodore ^{CO}	668
43. संत Brihtwald ^{CO}	693

44. संत Tatwine ^{CO}	731	73. संत Thomas Becket ^C शहीद	1162
45. संत Nothelm ^{CO}	735	74. डोवर के Richard	1174
46. Cuthbert	740	75. फोर्ड के Baldwin	1185
47. संत Bregowine ^{CO}	759	76. Reginald Fitz Jocelin	1191
48. Jaenberht	766	77. Hubert Walter	1193
49. Æthelhard	793	78. Stephen Langton	1207
50. Wulfred	805	79. Richard le Grant	1229
51. Feologild	832	80. संत Edmund Rich ^C	1234
52. Ceolnoth	833	81. सेवॉय के धन्य Boniface ^C	1245
53. Æthelred	870	82. Robert Kilwardby	1273
54. Plegmund	890	83. John Peckham	1279
55. संत Athelm ^{CO}	914	84. Robert Winchelsey	1294
56. Wulfhelm	923	85. Walter Reynolds	1313
57. संत Oda ^{CO}	942	86. Simon Mephram	1328
58. संत Dunstan ^{CO}	960	87. John Stratford	1333
59. Æthelgar	988	88. Thomas Bradwardine	1349
60. Sigeric	990	89. Simon Islip	1349
61. Ælfric	995	90. Simon Langham	1366
62. संत Ælfheah ^{CO} शहीद	1006	91. William Whittlesey	1368
63. Lyfing	1013	92. Simon Sudbury	1375
64. Æthelnoth	1020	93. William Courtenay	1381
65. Eadsige	1038	94. Thomas Arundel	1396
66. ज्यूमिएज के Robert	1051	95. Henry Chichele	1414
67. Stigand	1052	96. John Stafford	1443
68. Lanfranc	1070	97. John Kemp	1452
69. संत Anselm ^C	1093	98. Thomas Bouchier	1454
70. Ralph d'Escures	1114	99. John Morton	1486
71. William de Corbeil	1123	100. Henry Deane	1501
72. बेक के Theobald	1139	101. William Warham	1503

102. Thomas Cranmer 1533

चर्च ऑफ़ इंग्लैंड

धर्मसुधार (Reformation) के बाद, चर्च ऑफ़ इंग्लैंड के बिशप, प्रत्येक अपने से पहले सूचीबद्ध बिशप द्वारा अभिषिक्त, Gilbert Sheldon तक।

103. John Scory 1551

104. Matthew Parker 1559

105. Edmund Grindal 1559

106. John Whitgift 1577

107. Richard Bancroft 1597

108. George Abbot 1609

109. George Montaigne 1617

110. William Laud 1621

111. Brian Duppa 1638

112. Gilbert Sheldon 1660

स्कॉटलैंड

स्कॉटलैंड की एपिस्कोपल कलीसिया के बिशप: James Sharp से, जिन्हें 1661 में वेस्टमिंस्टर में Gilbert Sheldon ने, जो उस समय लंदन के बिशप और बाद में कैंटरबरी के आर्चबिशप थे, बिशप के रूप में अभिषिक्त किया, नॉन-ज्यूरिंग (Non-Juring) बिशपों से होते हुए, जिनमें से प्रत्येक को अपने से पहले सूचीबद्ध बिशप ने अभिषिक्त किया, प्राइमस (Primus) Robert Kilgour तक।

113. James Sharp 1661

114. Alexander Burnet 1663

115. Arthur Rose 1675

116. Alexander Rose 1687

117. Arthur Millar 1718

118. Thomas Rattray 1727

119. William Falconer 1741

120. Robert Kilgour 1768

अमेरिका

Samuel Seabury से, जिन्हें 1784 में एबरडीन में स्कॉटलैंड के बिशपों ने संयुक्त राज्य अमेरिका की कलीसिया के प्रथम बिशप के रूप में अभिषिक्त किया। 1792 में Seabury ने इंग्लैंड में अभिषिक्त बिशपों के साथ मिलकर Thomas John Claggett पर हाथ रखे, जिससे अमेरिका में स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के उत्तराधिकार-क्रम एक हो गए; Claggett से यह उत्तराधिकार यहाँ सूचीबद्ध प्रत्येक अभिषेक में हाथ रखनेवाले बिशपों के द्वारा उन तक पहुँचता है जिन्होंने इसे आज तक आगे बढ़ाया है।

121. Samuel Seabury 1784

122. Thomas John Claggett 1792

123. Edward Bass 1797

124. Abraham Jarvis 1797

125. John Henry Hobart 1811

126. Henry Ustick Onderdonk 1827

127. Benjamin Treadwell Onderdonk 1830

128. Samuel Allen McCoskry 1836

129. William Edward McLaren 1875

130. William Montgomery Brown 1898

131. Wallace David de Ortega Maxey 1927

132. Nils Bertil Alexander Persson 1986

133. Samuel Guido, Jr. 2004

134.

GARLAND F. BYERS, JR.

2013

कैंटरबरी की आर्चबिशप के साथ साझा उत्तराधिकार

कैंटरबरी की वर्तमान आर्चबिशप, सारा मुलाली (Sarah Mullally), और बिशप बायर्स, संत पौलुस से लेकर Gilbert Sheldon (1660 में अभिषिक्त; 1663–1677 तक कैंटरबरी के आर्चबिशप) तक, एक ही प्रेरितिक उत्तराधिकार-क्रम साझा करते हैं। Sheldon ने अपने ही हाथों से उन बिशपों को अभिषिक्त किया जिनसे ये दोनों उत्तराधिकार-क्रम निकलते हैं: आर्चबिशप मुलाली के उत्तराधिकार-क्रम में, 1674 में Henry Compton को; बिशप बायर्स के इस उत्तराधिकार-क्रम में, 1661 में James Sharp को।



पवित्र दीक्षा

पुरोहित-अभिषेक

17 अगस्त 2008, हाथ रखकर, St. Paul's Lutheran Orthodox Chapel, पामर्टन, पेंसिल्वेनिया में।

बिशप-पद पर अभिषेक

20 अप्रैल 2013, पवित्र प्रभु-भोज के अनुष्ठान के दौरान हाथ रखकर, St. Paul's Lutheran Orthodox Chapel में, जिसकी सभा उस दिन American Legion Post 16, स्लैटिंगटन, पेंसिल्वेनिया में हुई थी।

प्रमुख अभिषेककर्ता

बिशप Samuel Guido, Jr.

सह-अभिषेककर्ता

बिशप Bradley A. Varvil

बिशप Michael Byus

बिशप James Thompson

सुसमाचार के सेवक के रूप में अभिषेक और बिशप-पद पर अभिषेक के प्रमाण-पत्र, बिशप-पद पर अभिषेक के छायाचित्रों सहित, [बिशप के विषय में](#) पृष्ठ पर प्रस्तुत हैं।

सेवा

20 अप्रैल 2013 को Lutheran Orthodox Church, Inc. के भीतर बिशप-पद पर अभिषेक, जिसमें उन्होंने बाद में Western North Carolina धर्मप्रांत के आर्चबिशप के रूप में सेवा की। बिशप बायर्स अब उस संस्था से संबद्ध नहीं हैं।

डॉक्टर ऑफ़ डिविनिटी (मानद, honoris causa), Lutheran Orthodox Church, Inc. द्वारा 20 अप्रैल 2013 को प्रदान की गई।



इस पृष्ठ पर हिंदी में उद्धृत सभी बाइबल-वचन इंडियन रिवाइज्ड वर्जन (IRV) हिंदी, 2019 से लिए गए हैं। कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 Bridge Connectivity Solutions; [Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International \(CC BY-SA 4.0\)](https://creativecommons.org/licenses/by-sa/4.0/) लाइसेंस के अंतर्गत। पाठ: ebible.org/hin2017। वचनों के अंश उद्धृत किए गए हैं; लोप-चिह्न (...) छोड़े गए अंश दर्शाते हैं। बाइबल के पाठ में कोई अन्य परिवर्तन नहीं किया गया है।

प्रेरित संत पौलुस का आइकन, रूसी, यारोस्लाव्ल के स्पासो-प्रेओब्राजेन्स्की (रूपान्तरण) मठ से। [Wikimedia Commons](https://commons.wikimedia.org/) के माध्यम से, सार्वजनिक डोमेन; मूल से काटकर और आकार बदलकर।